RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : बुधवार 11 अक्टूबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 168 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक

रोकठोक लेखनी

®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ठाकरे गुट के लिए खुशखबर!

शिंदे गुट ने शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के लिए दाखिल आवेदन लिया वापस...

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने दशहरे पर यहां शिवाजी पार्क मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति मांगने के लिए बीएमसी में दाखिल अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया है। पार्टी के एक विधायक ने मंगलवार दोपहर बाद यह जानकारी दी। शिवसेना के विधायक सदा सरवनकर ने 'एक्स(पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि सत्तारूढ़ दल शिंदे के निर्देश पर आवेदन वापस ले रहा है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्साहपूर्वक मनाया जा सके, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सौहार्दपूर्ण कदम उठाया गया है।

इससे पहले, बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को अलग-अलग आवेदन देकर दादर के विशाल मैदान में अपनी दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति मांगी है। अधिकारी ने बताया कि बीएमसी को एक अगस्त को सरवनकर की ओर से और सात अगस्त को शिवसेना (यूबीटी) के केंद्रीय कार्यालय की तरफ से एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें उन्होंने मैदान पर अपनी-अपनी रैली आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। मंगलवार को सरवनकर ने आवेदन वापस लेने के फैसले की घोषणा की और कहा कि उनकी पार्टी की रैली कहीं और होगी।

माहिम से विधायक सरवनकर ने कहा, ''इस वर्ष भी शिवसेना का दशहरा उत्सव उत्साह के साथ मनाया जाना चाहिए। हिंदू त्योहारों के दौरान एक-दूसरे के बीच मतभेद से बचने के लिए, शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय एकनाथ शिंदे साहब ने सौहार्दपूर्ण रुख अपनाते हुए दशहरा रैली कहीं और आयोजित करने का फैसला लिया है।''

शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने मुंबई के दादर इलाके के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के आयोजन की प्रथा शुरू की थी। दशहरा का त्योहार इस वर्ष 24 अक्टूबर को है। शिंदे और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले, शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों ने पिछले वर्ष भी शिवाजी पार्क मैदान में वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति मांगने के लिए आवेदन दिया था। महानगर पालिका ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए दोनों गुटों को स्वीकृति देने से मना कर दिया था।

नवी मुंबई में डंपर चोरी करने के आरोप में 4 गिरफ्तार

नवी मुंबई: एनआरआई ने उल्वे से एक डंपर चोरी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उनके पास नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर इलाके में एक चार पहिया वाहन भी है. पुलिस ने एक कार भी जब्त कर ली जिसका इस्तेमाल अपराध को अंजाम देने में किया गया था.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 32 वर्षीय वलीउल्लाह काजी, 30 वर्षीय अफरोज मंसूरी, 33 वर्षीय मुस्तकीम शेख और 29 वर्षीय फैसल शेख के रूप में हुई है। 20 सितंबर को एक डंबर चोरी होने के बाद एनआरआई पुलिस स्टेशन में एक पुलिस शिकायत दर्ज की गई थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि अपराध को अंजाम देने के लिए एक कार का इस्तेमाल किया गया था क्योंकि आरोपी उस वाहन में थे। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद टोरडामल के मार्गदर्शन में एक टीम का गठन किया गया और उन्होंने सभी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक, उनके खिलाफ मुंबई और ठाणे में चोरी और अन्य अपराधों के कई मामले दर्ज थे।

राज ठाकरे की धमकी के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने टोल केबिन फूंका!

कहा– आज एक जलाया, कल कई और जलेंगे...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में टोल नाकों को लेकर राज ठाकरे की पार्टी ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य सरकार को धमकी भरे लहजे में कहा है कि अगर छोटी गाड़ियों से टोल वसूला जाएगा तो हमारे कार्यकर्ता उसका विरोध करेंगे. उन्होंने कहा कि अगर हमारे कार्यकताओं को किसी ने रोकने की कोशिश की तो हम टोल बूथ जला देंगे. राज ठाकरे के इस ऐलान के बाद मनसे (एमएनएस) कार्यकर्ताओ ने मुंबई के मुलुंड टोल नाके के एक केबिन को आग के हवाले कर दिया. दरअसल, बीते 5 दिनो से मनसे के नेता और कार्यकर्ता मुंबई के 5 प्रमुख टोल में से एक मुलुंड ठाणे टॉल पर भूख हड़ताल पर बैठे थे. 4 दिन तक कोई बदलाव नहीं आया तो खुद राज ठाकरे उनसे मुलाकात करने पहुंचे.

राज ठाकरे ने दी टोल नाकों को जलाने की धमकी

राज ठाकरे ने कार्यकताओं को समझाया कि वो खुद सरकार से इस बारे में बात करेंगे. दूसरे दिन राज ठाकरे ने अपने घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर निशाना साधा कि केवल बड़े वाणिज्यिक वाहनों से ही टोल वसूली की जाएगी. इसी दौरान राज ठाकरे ने टोल नाकों को जलाने की धमकी दी. मनसे प्रमुख ने टोल वसूली को महाराष्ट्र का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है. उन्होंने सत्तारूढ़ बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) को टोल मुक्त महाराष्ट्र के साल 2014 के चुनावी वादे की याद दिलाई, जिसके बाद मुलुंड टोल नाके पर मनसे कार्यकताओं ने टोल पर स्थित एक केबिन को आग लगा दी.

वहीं, आगजनी के बाद मुलुंड टोल नाके पर मुंबई पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी हैं. गौरतलब है कि 1 अक्टूबर को टोल की दर 5 रुपये बढ़ा दी गई थी. जहां कार से अब 40 के बदले 45 रुपये वसूले जाएंगे. टोल के कलेक्शन और देखभाल का ठेका टरफ्छ्ळ (महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) ने 2026 तक के लिए मुंबई एंट्री प्वाइंट इन्फ्रास्ट्रक्चर नाम की कंपनी को दिया है . ये कॉन्ट्रैक्ट मुंबई के पांचों टोल पर लागू होता है. रोजाना इन पांचों टोल में से 1.5 करोड़ से 1.8 करोड़ रुपये कमाए जाते हैं. मुंबई के पांचों टोल में से मुलुंड ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे टोल, मुलुंड एलबीएस मार्ग टोल और ऐरोली टोल नाके का जायजा लिया. तीनों टोल बूथों पर मुंबई पुलिस तैनात दिखी.

मनसे नेता की गिरफ्तारी पर फूंका टोल केबिन

ठाणे और पालघर जिले के मनसे अध्यक्ष अविनाश जाधव पिछले 5 दिनों से मुलुंड टोल नाका पर लगातार आंदोलन कर रहे हैं. एक दिन पहले अविनाश जाधव को मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया और फिर शाम को रिहा कर दिया. इसी दौरान मनसे कार्यकताओं ने केबिन में आग लगा दी. इस मुद्दे पर नेता अविनाश जाधव ने बताया कि खुद एकनाथ शिंदे ने 2012 में टोल बंद करने के लिए एक याचिका दायर की थी, लेकिन सीएम बनते ही वो भूल गए. फिलहाल इस पूरे टोल बवाल के बाद मनसे ने इसे अभी सिर्फ ट्रेलर बताया है.

'...कल कई और टोल जलेंगे'

मनसे का कहना है कि अगर राज्य सरकार हमारी बात नहीं मानेगी तो हमारी ताकत पूरे महाराष्ट्र में देखी जाएगी. आज एक टोल जलाया है, कल कई और टोल जलेंगे. मनसे ने कहा कि जब रोड अच्छे नहीं दिए जा रहे हैं तो टोल का दर किस कारण से हर साल बढ़ाया जाता है. राज्य सरकार लोगों को लूटने का काम कर रही है और इसीलिए हम तब तक खिलाफ होंगे, जब तक राज्य सरकार हमारी मांगे पूरी नहीं करती हैं. 1997 में ट्रैफिक की समस्या को देखते हुए एक कमेटी का गठन किया गया था और तब 55 फ्लाईओवर का निर्माण किया गया था. इस कमेटी ने 30 सालों के लिए टोल वसूलने का निर्णय 1998 में लिया था. 2026 में ये मियाद खत्म हो जाएगी.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इजरायल में अत्याचार

गाजा पट्टी से संचालित फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने दक्षिणी इजरायल में असाधारण स्तर पर हमला किया जिसने पूरी दुनिया को हिला दिया। अभी भी यह पता नहीं है कि हमले में कितने इजरायली (तथा अन्य देशों के नागरिक) मारे गए और कितने बंधक बनाए गए हैं। मरने वालों की तादाद सैकड़ों में है। एक छोटे देश के लिए यह तादाद बहुत बड़ी है। कुछ लोगों का कहना है कि होलोकॉस्ट (यहूदी नरसंहार) के बाद पहली बार एक दिन में इतने अधिक लोग मारे गए हैं। इजरायली प्रशासन के बारे में पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि वह फिलिस्तीनी आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों की प्रतिक्रिया बहुत उग्र तरीके से देता है। ऐसे में हमास के हमले के बाद यह आशंका बलवती है कि भीड़भाड़ वाली गाजा पट्टी की घेराबंदी और नाकाबंदी होगी और वहां के लोगों को भीषण मानवीय आपदा का सामना करना पड़ेगा। आम नागरिकों की हत्या और अपहरण की प्राथमिक जिम्मेदारी हमलावरों की होगी। अन्य संगठनों की तुलना में हमास ने बहुत पहले फिलिस्तीन की आजादी के संघर्ष के लिए अतिवादी और उग्रवादी रुख चुन लिया था। एक खुली जंग में भी इसे एक हिंसक और गलत युद्ध अपराध माना जाता। परंतु इसके दोषी चौतरफा हैं।

इजरायल में दक्षिणपंथी लोकप्रिय नेता बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार है और वह भी इसके लिए जवाबदेह हैं। नेतन्याहू को अपने अतिराष्ट्रवादी और कट्टरपंथी गठबंधन साझेदारों को खुश करना है और इसके लिए उन्होंने इजरायली सेना और खुफिया सेवाओं के साथ मिलकर लड़ाई को चुना। उन्होंने फिलिस्तीनियों को हाशिये पर धकेल दिया और उनके समक्ष दो राष्ट्रों वाले हल की कोई आशा जीवित न रहने दी। बाद की हरकतों ने हमास को आतंकी कार्रवाई में संलिप्त कर दिया जबकि पहले की घटनाओं में खुफिया और सैन्य नाकामियों ने योगदान दिया। इसकी वजह से उग्रवादी घंटों तक इजरायल की सीमा में कई किलोमीटर भीतर तक घुसे रहे और उन्हें जमीन पर किसी प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। इजरायल को सुरक्षा की गारंटी देने वाले अमेरिका ने दशकों से फिलिस्तीनियों के अधिकारों की अनदेखी की है। उसने कभी नेतन्याहू की अतियों पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की। हमास का कहना है कि उसे इस हमले में ईरान की मदद मिली है।

ईरान खुद को क्षेत्रीय आधिपत्य वाली उस भूमिका के नाकाबिल साबित कर रहा है जिसकी वह आकांक्षा रखता है। भारत, सऊदी अरब से लेकर तुर्की तक अन्य क्षेत्रीय शक्तियों ने एक क्षेत्रीय एजेंडे की सीमा को समझ लिया है और वे बिना फिलिस्तीनी नागरिकों के अधिकारों के सवाल को हल किए, इजरायल के साथ रिश्तों को सामान्य करना चाहती हैं। अब ध्यान इस बात पर केंद्रित किया जाना चाहिए कि यह संघर्ष आगे और न भड़के। गाजा में कुछ प्रतिक्रिया होना लाजिमी है लेकिन ऐसे किसी भी बड़े भड़कावे से बचना होगा जिसमें लेबनान और ईरान भी शामिल हो जाएं। भारत का हित भी इसी बात में निहित है कि क्षेत्र में जल्दी शांति और स्थिरता कायम हो।

कच्चे तेल की कीमतें पहले ही भारत के लिहाज से काफी ऊंची हो चुकी हैं और उसने हाल ही में पश्चिम एशिया में बड़ी अधोसंरचना योजनाओं में भागीदारी की घोषणा की है। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी)इस बात पर निर्भर है कि संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बंदरगाहों के बीच सुरक्षित जमीनी संपर्क संभव हो। अगर अरब देशों और इजरायल के बीच रिश्ते बिगड़ते हैं या इजरायल की सीमा पर लड़ाई लंबी चलती है तो ऐसी योजना को क्षति पहुंचेगी। भारत को तात्कालिक समस्या को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया देनी होगी जबकि इसके साथ ही उसे दीर्घकालिक नजरिया भी अपनाना होगा। जब तक इजरायल और फिलिस्तीन के बीच शांति स्थापित नहीं होती भारत के पश्चिम में शांति स्थापना नहीं होगी।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

स्विगी कंपनी प्रबंधन की मनमानी के विरोध में स्विगी डिलेवरी बॉयज का काम बंद आंदोलन

प्रति किलोमीटर कटौती के विरोध में मुंबई भर के स्विगी डिलिवरी बॉयज ने किया काम बंद !

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) 40 रुपए से घटाकर बीस रुपए करने के कंपनी प्रबंधन के निर्णय के विरोध में आज मुंबई भर के अलग अलग यूनिट के हजारों की संख्या में डिलिवरी करने वाले कंपनी के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगो को लेकर कटौती के खिलाफ सड़कों पर उतरकर सुबह से ही प्रदर्शन शुरू कर रखा था । गौरतलब हो की चेंबूर जोन के स्विगी राइडर्स ने होटल ,आउटलेट में काफी बड़ी संख्या में जमाकर होकर काम बंद आंदोलन को सफल बनाने के लिए कुछ एक ऑर्डर लेने आये राइडर्स के ऑर्डर जबरन रिजेक्ट कर कंपनी प्रबंधन के हिटलर शाही के विरोध में एकजुट होकर प्रचंड आंदोलन करने में सहयोग करने की अपील किया है ।

वहीं दूसरी ओर कोरोना लोक डाउन के बाद गरीब मुंबईकरों की आर्थिक परेशानी के कारण स्ट्रेस के कारण बढ़ती आत्महत्या के मामलो ने जहां ऑनलाइन डिलिवरी के जॉब ने गरीबो के घरों में रोजगार के अवसर प्रधान किया । वहीं आज स्विगी कंपनी के बैक ऑफिस में बैठे वरिष्ट प्रबंधन अधिकारीयो के मनमानी फैसले के कारण स्विगी डिलिवरी कर्मचारियों के परिवार में भुखमरी की गर्दन पर तलवार लटकने लगी है । जिसका फायदा कंपनी के कुछ हिटलर शाही प्रवृत्ति के मैनेजर खुद लाखों रुपए प्रति माह की पगार उठाने वाले आज बड़ी संख्या में काम करने वाले समाज के माध्यम वर्गीय परिवार के दुश्मन बन गये है । उल्लेखनीय तौर पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की राज में बढ़ती महंगाई , बेरोजगारी के कारण नागरिकों का जीना मुहाल हो गया था । वहीं मुंबई महानगर में बढ़ती ऑनलाइन डिलेवरी कंपनियों द्वारा समाज के हर वर्ग उम्र वाले घर बैठे बेरोजगारों को काम देने का कार्य किया है ।

क्या हैं स्विगी कर्मचारियों की मांग –

स्विगी कर्मियों के अनुसार कंपनी प्रति पार्सल ग्राहकों से डिलिवरी करने का 75 रुपए लेती है । वहीं कर्मियों को कई वर्ष पूर्व में 40 रुपए डिलेवरी प्रति ऑर्डर दिया करती थी ।वहीं वर्तमान में नये कंपनी प्रबंधन ने घटाकर बीस रुपए कर दिया है ।जिससे बढ़ती महंगाई में स्विगी कर्मियों को अपना परिवार चलाना मुश्किल हो चुका है । दूसरा बगैर किसी इश्यू के अधिकांश कर्मचारियों का कमाई का पच्चीस प्रतिशत प्रति दिन की कमाई बैक ऑफिस के मैनेजरो की मनमानी हिटलर शाही रैवाइये के कारण पेनल्टी में काट लेते है ।दूसरी ओर रही सही कसर सिग्नलों पर खड़े आरटिओ पोलिस वालों और महंगे पेट्रोल भरवाने में खर्च हो रहे है ।तीसरी समस्या यह है की कंपनी बीस रुपए में पांच किलोमीटर की ऊपर की डिलेवरी का ऑर्डर देती है । उसके बाद डिलिवरी लोकेशन से खाली लौटना में महंगा पड़ रहा है । वहीं उसके बाद गाड़ी का मेंटेनेंस भी राइडर्स के अफोर्ड नही कर पा रहे है ।इसलिए आज मुंबई भर के स्विगी राइडर्स कर्मियों ने आज काम बंद आंदोलन किया था ।कहा जाता है कि स्विगी राइडर्स का आंदोलन पूरी तरह से कामयाब रहा , जो की कंपनी प्रबंधन के विरोध में चार दिन चलेगा लगातार आंदोलन । वही अब देखना है कि कंपनी प्रबंधन स्विगी राइडर्स की मांगों को मानता है या फिर स्विगी कर्मियों की काम बंद आंदोलन यूं ही चलता जायेगा ।

KYC फ्रॉड का शिकार हुए एक्टर आफताब शिवदासानी , गंवाए 1.50 लाख रुपये...

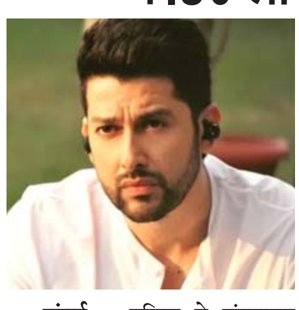

मुंबई : पुलिस ने मंगलवार को कहा कि बॉलीवुड अभिनेता आफताब शिवदासानी साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गए और उन्हें 1.50 लाख रुपये का नुकसान हुआ, जब उन्हें एक टेक्स्ट संदेश मिला जिसमें उन्हें एक प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक से जुड़े अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) विवरण अपडेट करने के लिए कहा गया था। बांद्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना रविवार को हुई और इस संबंध में अगले दिन मामला दर्ज किया गया। 'अभिनेता को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से एक संदेश मिला। मैसेज में उन्हें निर्देश दिया गया कि वह बैंक से जुड़ी अपनी केवाईसी डिटेल्स अपडेट कर लें, ऐसा न करने पर उनका अकाउंट सस्पेंड कर दिया जाएगा। शिवदासानी ने मैसेज में बताए गए लिंक पर क्लिक किया. जैसे ही उन्होंने निदेर्शों का पालन किया, उन्हें एक संदेश मिला कि उनके खाते से 1,49,999 रुपये डेबिट कर लिए गए हैं।'

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद अभिनेता ने सोमवार को बैंक के शाखा प्रबंधक से संपर्क किया और उनकी सलाह के आधार पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है। शिवदासानी ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'मस्त', 'मस्ती' और 'हंगामा' शामिल हैं।

गैबी नगर के हाजी मकसूद हुसैन हेल्थ क्लब का विधायक रईस शेख द्वारा उद्घाटन

भिवंडी बुनकरों का शहर , इसके विकास के लिए हर स्तर पर हमारा प्रयास जारी रहेगा ....रईस शेख

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी बुनकरों का शहर है, इसके सर्वांगीण विकास के लिए हमार हर मुमकिन प्रयास जारी रहेगा । मैं समाजवादी पार्टी से निर्वाचित होकर विधायक बना हूं जिसके लिए सभा में कहा जाता है की ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र में अधिकांश फंड भिवंडी में खर्च किया जाता है । इन बातों का इजहार विधानसभा सदस्य रईस शेख ने यहां गैबी नगर में हाजी मकसूद हुसैन हेल्थ क्लब के उद्घाटन के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए किया । उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले जब उन्होंने अचानक इस हेल्थ क्लब का दौरा किया तो इस क्लब की हालत काफी जर्जर थी ,इसलिए उन्होंने अपने फंड से 30 लाख रुपये की धनराशि से हेल्थ क्लब का जीर्णोद्धार कराया ताकि इस क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं को इसका लाभ मिल सके और आज इस हेल्थ क्लब का उद्घाटन किया गया है विधायक रईस शेख ने कहा कि यहां के लोगों की खुशी ही मेरा इनाम है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेता अब्दुल सलाम नोमानी, जावेद अंसारी , पूर्व पार्षद प्रशांत लाड, नसीर जावेद , अबरार अंसारी अखलाक अंसारी ,आसरा अंसारी जैद शेख और क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति और समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वैश्विक तनाव के बीच शेयर बाजार खुलते ही लचीलापन दिखा रहा

मुंबई: वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में बढ़ते तनाव से भरे सप्ताह में, भारतीय शेयर बाजार ने लचीलापन दिखाया क्योंकि मंगलवार की शुरूआती घंटी बजते ही सूचकांकों में तेजी का अनुभव हुआ। प्री-मार्केट परिदृश्य सपाट दिखाई दिया, लेकिन हरे रंग की ओर झुकाव दिखा, और यह गति आधिकारिक बाजार खुलने तक जारी रही। भारत के शेयर बाजार के प्रदर्शन का एक प्रमुख संकेतक सेंसेक्स 331.91 अंक बढ़कर 65,844.38 पर खुला। इसी तरह, निफ्टी 78.50 अंक ऊपर खुला और दिन की शुरूआत 19,590.85 पर हुई। शुरूआती घंटी निवेशकों के लिए अच्छी खबर लेकर आई, जिसमें 45 निफ्टी कंपनियां आगे बढ़ीं, जबकि केवल 4 को गिरावट का सामना करना पड़ा और 1 अपरिवर्तित रही।

लाभ पाने वालों में अदानी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम और अदानी एंटरप्राइजेज शामिल थे, जो दिन के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

इसके विपरीत, बाजार खुलने के समय डॉ. रेड्डी, टीसीएस, सिप्ला, ब्रिटानिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर शीर्ष हारने वालों में से थे। उल्लेखनीय रूप से, इजराइल-फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष के बावजूद, भारतीय बाजारों ने मजबूत ताकत दिखाई। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्टॉक जमा करने का यह एक उपयुक्त अवसर हो सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी, बैंक, धातु, मीडिया और फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) जैसे क्षेत्र विशेष रूप से आशाजनक हैं।

प्रॉफिट आइडिया के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, वरुण अग्रवाल ने कहा, ''इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के बीच भारतीय बाजार काफी मजबूत दिख रहे हैं। निवेशकों को इस गिरावट का उपयोग गुणवत्ता वाले स्टॉक जमा करने के लिए करना चाहिए। आईटी, बैंक, मेटल, मीडिया, एफएमसीजी शेयरों पर फोकस। निफ्टी के सकारात्मक खुलने की उम्मीद है क्योंकि बहुत सारे वैश्विक तनावों के बावजूद कल डॉव सकारात्मक बंद हुआ था। इजराइल युद्ध से उत्पन्न कमजोरी को दूर करते हुए डॉव 200 अंक ऊपर बंद हुआ। भारतीय बाजार में आशावाद को आंशिक रूप से पिछले दिन डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज (डॉव) में सकारात्मक समापन से बढ़ावा मिला है। डॉव इजराइल युद्ध से उत्पन्न प्रारंभिक कमजोरी पर काबू पाने में कामयाब रहा और 200 अंक ऊपर बंद हुआ। यह घटनाक्रम निफ्टी के लिए सकारात्मक शुरूआत का संकेत देता है।

''भारत के लिए आउटलुक काफी आकर्षक बना हुआ है और भारतीय बाजारों में बड़े निवेश की उम्मीद है। यदि निफ्टी 18887 से ऊपर रहता है, तो तेजड़ियों को जल्द ही नई ऊंचाई के लिए आश्वस्त रहना चाहिए। यह समेकन निवेशकों के लिए मध्यम से लंबी अवधि के लिए अच्छा है। ओपन इंटरेस्ट (ओआई) डेटा 19200 के स्तर पर मजबूत पुट राइटिंग और उच्च स्ट्राइक पर अच्छा बेस बिल्डिंग दिखाता है। तेजी के पूर्वाग्रह के साथ जोखिम परिभाषित रणनीतियाँ सर्वोत्तम होंगी। इंडेक्स शेयरों पर, फोकस एचडीएफसी बैंक, आईएनएफवाई, रिलायंस, एचयूएल, कोटक बैंक पर बना हुआ है'', अग्रवाल ने कहा। बाजार विश्लेषक महत्वपूर्ण प्रवाह की आशा करते हुए, भारतीय बाजार के दृष्टिकोण के बारे में अनुकूल भावनाएं व्यक्त करते रहे हैं।

तेजी की गति को बनाए रखने के लिए निफ्टी का 18,887 अंक से ऊपर रहना महत्वपूर्ण है, जो निकट भविष्य में नई ऊंचाई के लिए आत्मविश्वास पैदा करेगा।

इस समेकन अवधि को मध्यम से लंबी अवधि के निवेशकों के लिए फायदेमंद माना जाता है। विकल्प और वायदा डेटा 19,200 के स्तर पर मजबूत पुट राइटिंग और उच्च स्ट्राइक कीमतों पर एक ठोस आधार की स्थापना का सुझाव देते हैं, जो तेजी के पूर्वाग्रह के साथ जोखिम-परिभाषित रणनीतियों के लिए अनुकूल वातावरण का संकेत देता है। विशिष्ट शेयरों के संदर्भ में, बाजार का फोकस एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस (आईएनएफवाई), रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे दिग्गज शेयरों पर बना हुआ है, जो आने वाले सत्रों में बाजार की गतिशीलता को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं।

भिवंडी एमआईएम पार्टी का प्रांत कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन...

भिवंडी प्रांत अधिकारी को पांच सूत्रीय मांग वाला ज्ञापन सौंपा

मुस्तकीम खान

भिवंडी : पिछले महीने 10 सितंबर को सतारा जिला स्थित पुसेसावली गांव की जामा मस्जिद पर दंगाइयों द्वारा हमला कर तोड़फोड़ व आगजनी करने के साथ नूरुल हसन लियाकत सिकलकारी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए भिवंडी एम आई एम के कार्य अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ भिवंडी प्रांत कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। तत्पश्चात एम आई एम कार्य अध्यक्ष शादाब उस्मानी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भिवंडी प्रांत अधिकारी को पांच मांगों वाला लिखित ज्ञापन सौंपा। भिवंडी प्रांत अधिकारी के माध्यम से देश के राष्ट्रपति सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री व उच्च पुलिस अधिकारियों को भेजे गए ज्ञापन में भिवंडी एमआईएम कार्य अध्यक्ष शादाब उस्मानी द्वारा मांग की गई है कि पिछले महीने 10 सितंबर को पुसेसावली गांव जिला सातारा की जामा मस्जिद पर एक धर्म विशेष के लोगों ने सुनियोजित हमला कर दिया था। जिसमें मस्जिद में इबादत कर रहे नूरुल हसन लियाकत सिकलकारी की मौत हो गई और अन्य 15 इबादत करने वाले जख्मी हो गए थे। साथ ही हमला करनेवालों ने मस्जिद में रखी गई पवित्र कुरान व कई अन्य पवित्र पुस्तकों को जला दिया था, हमले में कई दुकानों व वाहनों को क्षति पहुंचाई गई थी। उक्त दुर्घटना को लेकर एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी, राज्य प्रमुख खासदार इम्तियाज जलील और डॉक्टर अब्दुल गफ्फार कादरी के निर्देश पर धरना आंदोलन में यह मांग की गई है कि पुसेसावली गांव की घटना के दंगे में शहीद नूरुल हसन लियाकत को राज्य सरकार की तरफ से उनके परिवार के सहायता हेतु एक करोड़ रुपए का मुआवजा और घायलों को एक एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाए। एमआईएम भिवंडी ने यह भी मांग की है की मस्जिद के साथ जिन दुकानों और गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया है उन्हें भी सरकार उचित मुआवजा दे, और जिन पुलिस अधिकारियों ने दंगाइयों का साथ दिया है समय पर कारवाई नहीं की उनकी जांच कर उन्हें निलंबित किया जाय।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले 11 अक्टूबर को पनवेल का दौरा करेंगे...!

नवी मुंबई: मिशन महाविजय 2024 के हिस्से के रूप में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले बुधवार, 11 अक्टूबर को पनवेल के संगठनात्मक दौरे पर आएंगे, यह जानकारी भाजपा उत्तर रायगढ़ जिला अध्यक्ष अविनाश कोली ने दी। पनवेल विधायक और पार्टी के मावल लोकसभा क्षेत्र के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रशांत ठाकुर भी उपस्थित थे। कोली ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि बीजेपी की ओर से महाविजय 2024 के तहत लोकसभा चुनाव की तैयारी पूरे देश में चल रही है. आगामी चुनावों के लिए, भाजपा

ने राष्ट्रीय स्तर पर 400 से अधिक सीटें और महाराष्ट्र राज्य में 45 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले महाराष्ट्र के सभी लोकसभा क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं. वह बुधवार को 33 मावल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करेंगे जो इसका हिस्सा है और उनकी यात्रा के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

पांच हजार केस दर्ज, पर सिर्फ 23 लोगों पर कार्रवाई

मुंबई : ईडी ने पांच हजार केस दर्ज कर रखे हैं पर सिर्फ २३ लोगों पर कार्रवाई की गई है। इस बात का खुलासा माकपा नेता सीताराम येचुरी ने किया है। माकपा के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी ने केंद्र सरकार पर ईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जिस तरह से ईडी का गलत इस्तेमाल किया है, उसका फल साल २०२४ के चुनाव में देखने को मिलेगा और जनता भाजपा को सबक सिखा देगी। येचुरी पटना के एक कार्यक्रम में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समय देश के लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता

की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मोदी को हटाना अनिवार्य है। यह माकपा का उद्देश्य है और हम देशभर में लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वामपंथी एकता को मजबूत करते हुए धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार सभी लोग एकजुट हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि लोगों के मौलिक अधिकारों पर हमले किए जा रहे हैं, जिसका 'इंडिया' गठबंधन विरोध करेगा। जिनको यह लग रहा है कि यह गठबंधन टूट के बिखर जाएगा, वे देखते रहते हैं और देखते रह जाएंगे, यह गठबंधन मजबूती से टिका रहेगा। हमें भाजपा वालों से क्या मतलब? हमें देश की जनता से मतलब है। उन्होंने कहा कि ईडी का गलत उपयोग किया जा रहा है। इसलिए तो हम लोग कहते हैं कि कोई आरोप सही है तो एक्शन होना चाहिए।

एडीबी, हुडको 34 नए सुपरस्पेशलिटी अस्पतालों के लिए महा योजना का वित्तपोषण करेंगे

मुंबईः कई सरकारी अस्पतालों में हाल ही में हुई मौतों के मद्देनजर, महाराष्ट्र 'विजन-2035'पहल के तहत नए सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बनाएगा और अन्य स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे को उन्नत करेगा।हुडको, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और केंद्र से मदद।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार देर रात उपमुख्यमंत्रियों देवेन्द्र फड़नवीस और अजित पवार, राज्य भर के संबंधित मंत्रियों और विभागों, कलेक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की। एक पखवाड़े में तैयार होने वाली नई योजना 'विजन-2035'के तहत सरकार अगले 10-12 वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल का चेहरा बदलने की योजना बना रही है, ताकि इसे और अधिक जन-केंद्रित और कुशल बनाया जा सके। एक अधिकारी ने कहा, वैश्विक मानक। महत्वाकांक्षी उद्यम के वित्तपोषण के लिए, राज्य सरकार अतिरिक्त बजटीय आवंटन के माध्यम से 8,331 करोड़ रुपये की मांग करेगी, हुडको ने 3,948 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, एशियाई विकास बैंक 5,177 करोड़ रुपये का ऋण देगा, और केंद्र सरकार जो भी अधिक धनराशि होगी वह प्रदान करेगी। आवश्यक, शिंदे ने कहा। वर्तमान में, नांदेड़, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर और ठाणे में सरकारी अस्पतालों में मौतों की श्रृंखला के बाद, राज्य दवाओं, कर्मचारियों, बुनियादी ढांचे आदि की कमी के कारण गंभीर आलोचना में आ गया है, और यहां तक कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी इस पर स्वतः संज्ञान लिया है। गंभीर मुद्दे का संज्ञान. शिंदे ने दोहराया कि जिला कलेक्टरों को दवाएं खरीदने का अधिकार दिया गया है, मंत्रालय में एक डैशबोर्ड नियमित रूप से अस्पतालों द्वारा दवाओं और अन्य आवश्यकताओं की मांग और आपूर्ति की निगरानी करेगा, सभी कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर राज्य-संचालित सुविधाओं की जांच के लिए अक्सर जाएं। पेयजल, स्वच्छता आदि सहित बुनियादी और अन्य आवश्यकताएं। प्रस्तावित योजना के तहत, सरकार का लक्ष्य मौजूदा स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के साथ-साथ जिला स्तर पर 34 सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बनाना है और सभी सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक आधुनिक ऑपरेशन थिएटर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी किसी नए मेडिकल कॉलेज की घोषणा की जाएगी तो उससे जुड़े अस्पताल का काम भी शुरू हो जाएगा और चूंकि वर्तमान में मेडिकल कॉलेजों से जुड़े कुछ जिला सिविल अस्पताल अपर्याप्त हैं, इसलिए उन्हें अधिक बिस्तरों और विशेषज्ञता के साथ उन्नत या पुनर्विकसित किया जाएगा। इलाज। शिंदे ने आश्वासन दिया कि इनके लिए बजट दोगुना कर दिया जाएगा और मेडिकल, पैरामेडिकल और अन्य रिक्तियों को भरने के लिए युद्ध स्तर पर भर्ती अभियान चलाया जाएगा, जिसमें भर्ती शुरू करने के लिए कलेक्टरों को अधिकृत किया जाएगा।

कुछ साल पहले, सरकार ने लगभग सभी जिलों के लिए एक मेडिकल कॉलेज की घोषणा की थी, लेकिन उन्हें शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों को खोजने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, यहां तक कि मौजूदा कॉलेज भी कमी से जूझ रहे थे, कई गैर-शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक नहीं थे। ग्रामीण या दूरदराज के इलाकों के लिए 'टेलीमेडिसिन सुविधा'प्रदान करने के फड़णवीस के सुझाव पर शिंदे ने सरकार को प्राथमिकता के आधार पर इसके लिए एक प्रणाली बनाने और लागू करने का निर्देश दिया है।

भिवंडी में अवैध निर्माण पर चला मनपा का बुलडोजर

मुस्तकीम खान

भिवंडी : म्हाडा कॉलोनी में मनपा स्कूल एवं प्लेग्राउंड के लिए आरक्षित भूखंड को अतिक्रमण कर पार्किंग बनाने के लिए अतिक्रमण कर घेरी हुई बाउंड्री को मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 5 क्षेत्रीय सहायक आयुक्त राजू वरलीकर की टीम ने जेसीबी मशीन से उखाड़कर जमींदोज कर दिया है। मनपा प्रशासन की इस तोडू कार्रवाई से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार म्हाडा कॉलोनी सर्वे नंबर 13 भूखंड को मनपा द्वारा स्कूल एवं खेल मैदान के लिए आरक्षित किया गया है। मनपा के आरक्षित भूखंड पर कुछ बाहरी लोग धीरज म्हात्रे, सूरज म्हात्रे, जगदेव म्हात्रे आदि मिलकर ग्राउंड को पत्रा से घेर कर वाहन पार्किंग बनाकर पैसा कमाने की जुगाड़ में जुटे थे। महाडा कॉलोनी ग्राउंड पर हो रहे अतिक्रमण का मामले कि कई शिकायतें मिलने पर बहु चर्चित क्षेत्रीय सहायक आयुक्त राजू वर्लीकर ने मनपा प्रशासक व आयुक्त अजय वैद्य के निर्देश पर सहायक आयुक्त राजू वर्लीकर ने ग्राउंड के कागजात की डिमांड कर नोटिस भेजी। अतिक्रमणकारियों ने मनपा सहायक आयुक्त वरलीकर की किसी भी नोटिस का जवाब नहीं दिया। अतिक्रमण संबंधी कोई जवाब नहीं मिलने पर क्षेत्रीय सहायक आयुक्त राजू वरलीकर की टीम ने अतिक्रमण हटाओ तोडू दस्ते की टीम के साथ जेसीबी मशीन एवं पुलिस सुरक्षा के बीच अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया है। स्कूल एवं खेल ग्राउंड पर हो रहे अवैध कब्जे को खत्म किए जाने पर क्षेत्रीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए इस जगह पर स्कूल और खेल का मैदान शीघ्र निर्माण किए जाने की मांग की है।

कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर के बाहर निजी जूते-चप्पल की दुकानें तोड़े जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया

कोल्हापुरः कोल्हापुर नगर निकाय द्वारा मंगलवार को प्रसिद्ध 1,400 साल पुराने श्री करवीर निवासिनी अंबाबाई/महालक्ष्मी मंदिर के बाहर लगभग दो दर्जन निजी फुटवियर केयरटेकर स्टालों पर छापा मारने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। कोल्हापुर नगर निगम (केएमसी) की एक टीम मंदिर और आसपास के इलाकों की बाहरी सीमा की दीवारों पर फुटवियर केयरटेकर के स्टालों को तोड़ने के लिए बुलडोजर और पुलिस की एक टीम के साथ पहुंची। मंदिर के एक अधिकारी ने दावा किया कि ये स्टॉल अवैध हैं और उन हजारों तीर्थयात्रियों से पैसा कमा रहे हैं जो हिंदू पुराणों के अनुसार 'साढ़े तीन शक्तिपीठों'में से एक, देवी महालक्ष्मी के दर्शन के लिए रोजाना यहां आते हैं।

''हमने पहले से ही मंदिर के बाहर पार्किंग स्थल के पास अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से मुफ्त सेवाओं की पेशकश करने वाले एक नए, बहुत बड़े फुटवियर केयरटेकर क्षेत्र का निर्माण किया है। निजी स्टॉल 'मुफ़्त'होने का दावा करते हैं लेकिन वास्तव में वे जनता को लूटते हैं,'अधिकारी ने कहा। केएमसी की कार्रवाई मंदिर अधिकारियों की एक कथित शिकायत के बाद हुई, जो अब 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले आगामी नवरात्रि उत्सव के लिए अपेक्षित भारी भीड़ के लिए पूरी तैयारी कर रहे हैं।

जबकि केएमसी, मंदिर और पुलिस ने निजी स्टालों को 'अवैध'घोषित कर दिया है, स्थानीय महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने 'अवैध संतुष्टि'की मांग की, जिसके कारण अचानक विध्वंस अभियान चलाया गया। कुछ स्टॉल-मालिक, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं, रो रहे थे और दावा कर रहे थे कि अदालत की रोक के बावजूद उनके परिसर को ध्वस्त कर दिया गया, नगर निकाय द्वारा कोई नोटिस नहीं दिया गया और पुलिस ने अभद्र व्यवहार किया, और ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

महिलाओं में से एक ने कहा कि वे 25 वर्षों से अधिक समय से बिना किसी समस्या के अपना स्टॉल चला रही हैं, लेकिन मंदिर द्वारा अपना नया स्टैंड बनाने के बाद, निजी मालिकों को अचानक निशाना बनाया गया, और उन्होंने अपनी आजीविका खो दी है। नगर निकाय ने इन निजी स्टालों को 'अतिक्रमणकारी'करार दिया है जो मुख्य मंदिर के रास्ते में बाधा डाल रहे थे, जिससे तीर्थयात्रियों को कठिनाई हो रही थी।

अंधेरी ईस्ट में एक कार की चपेट में आने से महिला की मौत

मुंबई : अंधेरी ईस्ट में एक दुर्घटना में 52 वर्षीय महिला भाग्यश्री दरिपकर की दुखद जान चली गई। वह शाम 7:30 बजे साईंप्रसाद होटल, गुंदावली, अंधेरी ईस्ट के सामने वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पार करने का प्रयास कर रही थी। रविवार को तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने उसे टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भाग्यश्री के पैर कार के पहिये में फंस गए, जिसके परिणामस्वरूप वह बेहोश हो गईं और सिर और कान में चोटें आईं। शुरूआत में, कार का ड्राइवर मदद के लिए रुका और आसपास खड़े लोगों की मदद से भाग्यश्री को जोगेश्वरी पूर्व के ट्रॉमा केयर अस्पताल ले गया। हालाँकि, बाद में ड्राइवर अपनी पहचान या वाहन की जानकारी का कोई निशान छोड़कर अस्पताल से भाग गया।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी अभिषेक बैत ने भाग्यश्री के भतीजे स्वप्निल यादव से संपर्क किया और उन्हें उसकी गंभीर स्थिति के बारे में बताया। स्वप्निल तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने ट्रॉमा केयर अस्पताल में उपलब्ध बिस्तरों की कमी के कारण भाग्यश्री को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित करने की सिफारिश की। अन्य लोगों की मदद से स्वप्निल ने उसे विले पार्ले वेस्ट के नानावती अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सा उपचार शुरू हुआ। दुख की बात है कि रात 9:50 बजे डॉक्टरों ने भाग्यश्री को मृत घोषित कर दिया।

भागे चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है

कार का नाम और नंबर प्लेट अज्ञात रहा, जिसके चलते स्वप्निल ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कराया। आईपीसी अधिनियम की धारा 279 (रैश ड्राइविंग), 304 (ए) (लापरवाही से मौत), 134 (ए) (किसी चोट या मौत के लिए आपराधिक कार्रवाई), और 134 (बी) (हमले के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।) 9 अक्टूबर को अंधेरी पुलिस स्टेशन में मोटर वाहन अधिनियम की।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .